।। श्रीगुरुअवधूत ।।

श्रीगणपतीवरील पदें

पद १

(रागः कल्याण, हमीर, झिंजोटी - तालः तिलवाडा)
गणराजपायीं मन जड जड जड। एकदंत गजवदनविराजित।
मोदक भक्षिसी भड भड भड।।ध्रु.।। वेदभुजांगी शेंदुर चर्चित।
फरशांकुश करी खड खड खड।।१।। पीतांबर जिर विर फिणवेष्टित। मूषक चालिव दड दड दड।।२।। माणिक म्हणे मितमंद मुक्यासी। वाचे बोलिव घड घड घड।।३।।